ग्रहस्थ जीवन में रहते कमाल करके दिखायें

कलियुग के अन्त में भगवान जब इस धरा पर आते हैं तो वे परमपिता के साथ परम शिक्षक और परम सद्गुरू बनकर अपने दिव्य कार्य करते हैं। क्योंकि उन्हें युग बदलना है, संसार बदलना है और संसार में स्त्री-पुरूष, बच्चे सब होते हैं। तो वे ऐसा मार्ग दिखाते हैं कि घर ग्रहस्थ में रहते हुए सभी पावन बन सकें। देवत्व को प्राप्त कर सकें। देखिए भारत में सन्यास की स्थापना हुई थी और सन्यास में पवित्रता का, ब्रह्मचर्य का बहुत बड़ा महत्त्व था। इसीलिए लोग घर छोड़कर जंगलों में जाते थे, गुफाओं में बैठकर तपस्या भी करते थे। उनकी तपस्या से उनकी प्युरिटी बहुत ही स्ट्रॉन्ग हो जाती थी। नैचुरल हो जाती थी। कर्मेन्द्रियां शीतल हो जाती थी। धीरे-धीरे सन्यासियों की भी तपस्या छुटी। विद्वता बढ़ी, शिष्य बढ़ाने की प्रथा बढ़ी। और बहुत सारे लोग उनमें उलझ कर रह गये। साधनायें, तपस्या वो पीछे छूट गई। तो प्युरिटी भी कमज़ोर पड़ती गई। हम देखते आये हैं इस बात को। ऐसे समय पर जब श्रेष्ठ धर्म की, सन्यास की, प्युरिटी कमज़ोर पड़ जाती है तब स्वयं भगवान आकर पवित्रता का मार्ग दिखाते हैं। और वो कहते हैं घर ग्रहस्थ में रहते हुए तुम पवित्र बनो।

देखिए सन्यासियों के लिए ये बात शायद इम्पॉसिबल हो। पूछते भी थे हमसे लोग और अभी भी पूछते हैं कि हम सन्यास लेकर जंगल में रहकर भी प्युरिटी को कठिन समझते हैं और ये लोग घर ग्रहस्थ में रहते पवित्र कैसे रह सकते होंगे! बात तो उनकी बिल्कुल ठीक है। किसी ने कह दिया कि आग और कपास इकट्ठा रहेंगे तो आग तो लगेगी कपास को। लेकिन जब मनुष्य को श्रेष्ठ ज्ञान मिल जाता है, जब उसे पवित्र बनने की विधि का पता चल जाता है तो सबकुछ ठीक हो जाता है। एक समय था कैंसर का इलाज नहीं था, बहुत सारी बीमारियां हुई जो लाइलाज थी, इलाज निकल गये, लोग ठीक होने लगे। पवित्रता का मार्ग शिव बाबा ने स्वयं दिखाया और कहा तुम सभी आत्मायें हो। लेकिन लोगों ने एक बात फैला दी थी, अति कर दी थी ग्रहस्थ जीवन के लिए कि ग्रहस्थ जीवन तो है ही विषय-विकारों के लिए। स्त्री-पुरूष का नाता इसी काम के लिए तो है। लेकिन शुरू में आचार्यों ने विषय-विकारों को केवल संतान उत्पत्ति तक ही सीमित रखा था। अब इसका विकृत रूप हो गया। इससे तन, मन बुद्धि की शक्तियां नष्ट हो गई और मनुष्य तमोप्रधान स्थिति में आ गया। उसके सारे सद्गुण चले गए, मन-बुद्धि कमज़ोर हो गई। समस्यायें बढ़ गई, उलझ गया मनुष्य। आज ग्रहस्थ आश्रम नहीं रहा, ग्रहस्थ जंजाल बन गया। आश्रम अलग, ग्रहस्थ अलग। हमें ग्रहस्थ को आश्रम बनाना है। तो पवित्र बनने का संकल्प करना है।

ब्रह्माकुमारीज़ के पास आने वाले लाखों ग्रहस्थ पवित्र जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुछ लोग फेल भी हुए, फिर शुरू किया फिर सफल हुए। कुछ लोग सदा से ही सफल हैं। जिन्होंने दृढ़ प्रतिज्ञा भी कर ली और जैसा मैंने कहा योग-साधना की इसके लिए बहुत ज़रूरत होती है। योग-साधना में हम सर्वशक्तिवान से अपना कनेक्शन जोड़ लेते हैं। उसकी शक्तियां हमें मिलती हैं। हमारा मन पॉवरफुल होता है। बुद्धि श्रेष्ठ बनती है और इन भावनाओं को, इन विषय-विकारों को कन्ट्रोल करने की पॉवर आ जाती है। दूसरी बात, हम पवित्रता के सागर परमात्मा से जब योग युक्त होते हैं तो उसकी पवित्रता की शक्ति हमें मिलने लगती है और हमारा पवित्रता का बल बढ़ने लगता है। तीसरी बात, भगवान ने हमें स्मृति दिलाई कि तुम आत्मायें हो, इस शरीर से न्यारे हो, जितना हम अशरीरी होने का अभ्यास करते हैं, कर्मेन्द्रियों से विषय-विकारों की अग्नि शीतल होने लगती है। चौथी बात याद दिलाई कि तुम पवित्र देवी-देवता थे। बिल्कुल स्पष्ट दिखा दिया, साक्षात्कार करा दिया, गहन अनुभूति करा दी, तुम अनेक जन्म अढ़ाई साल पवित्र देवता थे। लोगों ने गलत स्मृतियां दिला दी थी। मनुष्य कभी पवित्र हो नहीं सकता। कलियुग में ब्रह्मचर्य कभी हो नहीं सकता। मन तक पवित्र हो ये इम्पॉसिबल है। लेकिन ये पॉसिबल है। हमारे में कई ऐसे हैं जो मन तक, स्वप्न तक भी पवित्र हो चुके हैं। तो ग्रहस्थ में रहते हुए अनेक सैम्पल, एग्ज़ाम्पल हमारे पास इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में हैं। और ये प्युरिटी संसार के लिए लाइट हाउस बन जाती है।

तो मैं सभी को कहूँगा कि जो ग्रहस्थ व्यवहार में रहते हैं, अपने को बहुत चीज़ों से डिटैच करेंगे, थोड़ा कमल फूल के समान निर्लिप्त रहना सीखेंगे। क्योंकि वो कीचड़ में रहते भी उससे निर्लिप्त रहता है। भगवान के महावाक्य हैं कि ग्रहस्थ व्यवहार में रहते हुए तुम्हें कमाल करनी है। ग्रहस्थ में रहने वालों को कई बातें होती हैं, नॉ डाउट। लेकिन हमें अपनी अनासक्त वृत्ति को बढ़ाते चलना है। देखिए बहुत ही गुह्य बातें, और बहुत ही प्रैक्टिकल बातें कि सबको प्यार भी देना है परिवार में और निर्मोही भी बनना है। सब कार्य भी करने हैं लेकिन निर्लिप्त भी रहना है। ये बहुत सुन्दर बात स्वयं परम शिक्षक, भगवान ने सीखा दी। परम सद्गुरू ने राजयोग सिखाया और कहा सबको आत्मिक दृष्टि से देखो तो तुम्हारा प्यार सबको मिलता रहेगा और तुम निर्मोही भी होते जायेंगे।

तो सभी जो परिवार में रहते हैं उन्हें रोज़ अमृतवेले उठकर प्रभु मिलन का सुख लेना है। मैं बहुत जल्दी न कह के आपको कहूँगा कि चार बजे उठो। 3:30 बजे उठो। ये अभ्यास करना है। फिर ईश्वरीय महावाक्यों का श्रवण डेली, जिसे हम सत्संग भी कह सकते हैं। भगवान की वाणी हम सुनते हैं, बहुत सुन्दर अनुभूतियां होती हैं। इसपर हम आगे बढ़ेंगे तो हमारे विचार महान होंगे, हमें रोज़-रोज़ नई गाइड लाइन मिलेगी और हम ग्रहस्थ में रहते हुए कमल फूल समान पवित्र बन सकेंगे। और जो ऐसा बनेंगे कमाल करेंगे, और भविष्य भी बहुत सुन्दर होगा। तो संसार भी आपको फॉलो करेगा।

माती पुखरायां-कानपुर देहात(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा वृन्दावन धाम गेस्ट हाउस में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में केक काटते हुए पूर्व मंत्री भगवती प्रसाद सागर, पुखरायां सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ममता दीदी, समाजसेवी शकुंतला बहन, सरोज बहन, श्री राम, गोविंद, उ.प्र. पुलिस रामकेश भाई, शिवनाथ भाई तथा भगवान भाई।

नगर-डीग(राज.)। त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में राज्य गृहमंत्री जवाहर सिंह, भारत गैस एजेंसी के प्रबंधक लक्ष्मी नारायण जी, भाजपा अध्यक्ष सुनील सिंह, समाजसेवी ब्रह्मानंद जी दाढ़ी वाले, ब्र.कु. हीरा बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु. संतोष बहन व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

गोपालगंज-बिहार। महाशिवरात्रि के कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद आलोक कुमार सुमन, ब्र.कु. अंगूर बहन, ब्र.कु. अनीता बहन, अन्य गणमान्य लोग व ब्र.कु. भाई-बहनें।

नगर कठूमर-भरतपुर(राज.)। त्रिमूर्ति शिव जयंती के शुभ अवसर पर शिव ध्वज फहराने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में विधायक रमेश खींची, नगर पालिका अध्यक्ष शेर सिंह, थाना अधिकारी संजय शर्मा, फॉरेस्टर हरिओम गुप्ता, ब्र.कु. हीरा बहन, ब्र.कु. संध्या बहन तथा अन्य।

रोपड़-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ के सद्भावना भवन बेला चौक सेवाकेन्द्र में महाशिवरात्रि एवं महिला दिवस के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए श्रीमती प्रीति यादव,आईएएस,डी.सी. रोपड़, ब्र.कु. अंजनी बहन, ब्र.कु. अदिति बहन व डॉ. रविंदर कौर।

दिल्ली-अली विहार। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद,दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में बायें से डॉ. अल्का,डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट, ब्र.कु. पूनम बहन, डॉ. रिचा,माइक्रोबायोलॉजिस्ट, ब्र.कु. राजबाला बहन और डॉ. हिना।

राजसमंद-राज.। रिज़र्व पुलिस बल राजसमंद के सभागार में 'स्ट्रेस फ्री लिविंग' विषय पर अपने विचार रखते हुए डॉ. ब्र.कु. गंगाधर भाई,संपादक,ओमशान्ति मीडिया,माउण्ट आबू। साथ हैं रिजनल सर्कल इंस्पेक्टर, स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पूनम बहन तथा अन्य।

दिल्ली-डेरावल नगर। महाशिवरात्रि एवं महिला दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान विज्ञान भवन सेवाकेन्द्र में आयोजित 'परमात्मा शिव द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन' कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, अंबेडकर अस्पताल की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. शशि रहेजा, प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ व जी.बी. पंत हॉस्पिटल के डॉ. मोहित गुप्ता, राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. लता दीदी, मेमोरी ट्रेनर डॉ. अदिति सिंघल आदि शामिल रहे।

गया-सिविल लाइन(बिहार)। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा टिकारी में आयोजित शोभायात्रा का शुभारंभ करते हुए महापौर अजहर ईमाम, प्रमुख समाजसेवी राम कृष्ण त्रिवेदी व सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी। साथ ही इस मौके पर भव्य झाँकी का भी आयोजन हुआ।

आवश्यक सूचना

ब्रह्माकुमारीज़ एवं मेडिकल विंग की ओर से खास टीचर्स एवं ब्र.कु. बहनों के लिए शांतिवन के पास स्थित जी.वी. मोदी रूरल हेल्थ केयर सेंटर में कैंसर डिटेक्शन(cancer detection) हेतु डायग्नोस्टिक सुविधा चालू करना प्रस्तावित है।

इस प्रोजेक्ट के लिए विभिन्न पदों पर कार्य हेतु केवल बहनों(only female staff) की आवश्यकता है।

1. रेडियोलॉजिस्ट - M.D./DNB Radiology
2. प्रशासक (Administrator)
3. अकाउण्ट्स असिस्टेंट (Accounts Assistant) - B.Com
4. रिसर्च, डाटा मैनेजमेंट एवं डॉक्यूमेंटेशन स्टाफ
5. मेमोग्राफी टेक्नीशियन (Mamography Technician) - Diploma in X-ray Techniques, मेमोग्राफी का अनुभव आवश्यक
6. नर्स (Female Nurse)- ANM/GNM
7. हेल्थ केयर वर्कर्स (Health care workers) - 12th

उचित वेतन के साथ रहने एवं भोजन की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। जो बहनें इस प्रोजेक्ट में सेवा देने हेतु इच्छुक हैं, वे कृपया डॉ. बनारसी भाई के मोबाइल नंबर - 7014986342 या ई-मेल drbanarasilal@bkivv.org पर सूचित करें।